



Ghaziabad Development Authority

Uttar Pradesh

TERMS AND CONDITIONS FOR MAP REVALIDATION PERMISSION

Permit No. : Group Housing/05287/GDA/BP/23-24/0538/18072023

To,

Name of owner/Applicant **JAVIN CONSTRUCTION PVT. LTD**

Communication Address **SEC-5 RAJENDRA NAGAR SAHIBABAD U.P, GHAZIABAD, Uttar Pradesh, 201001**

Property No. **KH NO 146 199** Scheme name **NA**. District : **Ghaziabad**

Site Address : **KHASRA NO 146, 199 MORTII VILLAGE GHAZIABAD UP**

Reference : Previously Sanctioned map and letter no **MAP20180322144708127** Dated **24 Aug 2018**

Dear Sir/Madam,

- The validity of Construction permission of File no **GDA/BP/23-24/0538** is extended from **24-Aug-2023 to 23-Aug-2026**
- Kindly refer to the previous construction permission for total buildup area of **61336 Sqmt. Residential** land use allowed on a plot area of **22274.15 sqmt.**
- This permission includes construction of **15 floors only.**

Owner shall also be responsible for compliance of the prescribed NGT conditions [Click Here](#) and special conditions [Click Here](#) for construction in above described Area. Concerned Executive Engineer/Site in - charge shall ensure that the construction is done on site as per approved Plan.

- Provision of parking space, rainwater harvesting and tree plantation as per the approved plan shall have to be ensured by the owner.
- This construction permission shall be invalid in-case of non-payment of due charges/fees towards the owner's property.
- Validity of Map extended to 23-Aug-2026.
- The other rules, conditions and restrictions stated in the earlier sanctioned map / letter shall be the same.
- Owner shall be responsible for the strict compliance and Adherence to the approved map and in case of any non-compliance, suitable action shall be taken by the authority as per prevailing rules and regulations.

SPECIAL CONDITIONS :

1. No dues certificate from master plan section and enforcement section will have to obtain before completion certificate.

Validity of Map extended to 23-Aug-2026. The other rules, conditions and restrictions stated in the earlier sanctioned map / letter shall be the same.

Page 1 of 2

- 2: The completion certificate will have to be obtained before occupancy.
3. The developer will have to ensure compliance of all the conditions mentioned in the previous sanction map letter no. 173 dated 23-10-2018.

Validity of Map extended to 23-Aug-2026. The other rules, conditions and restrictions stated in the earlier sanctioned map / letter shall be the same.



कार्यालय: गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

(मानचित्र स्वीकृति पत्र)

पत्रांक : १४३ मानचित्र सं.- MAP20180322144708127

मै. जैरिन केन्द्रस्तरक्षण प्रा.लि.
डी-205, श्यामपाल, एप्स.

सहिबाबाद, गाजियाबाद।

आपके प्रार्थना पत्र दिनांक 22.03.18 के संदर्भ में खारा सं.-146 एवं 199 ग्राम मोरटी, गाजियाबाद पर प्रस्तावित संशोधित सुप हाउसिंग मानचित्र सं.- MAP20180322144708127 पर उपाध्यक्ष महोदया द्वारा दिनांक 07.08.18 को निम्नलिखित शर्तों के साथ स्वीकृति प्रदान की गयी है:-

- यह मानचित्र स्वीकृति से केवल पाँच वर्ष तक वैध है।
- मानचित्रों की इस स्वीकृत सम्बन्धित किसी भी शासकीय विभाग स्थानीय निकाय (जिसे-नगर पालिका, जी.डी.ए.) किसी अन्य व्यक्ति का अधिकार तथा स्वामित्व किसी प्रकार से प्रभावित नहीं होता है।
- भवन मानचित्र जिस प्रयोजन हेतु स्वीकृत कराया गया है उसी प्रयोग में लाया जायेगा।
- यदि भविष्य में विकास कार्य के उपयुक्त नहीं होगी तो वह बिना किसी स्थानीय निकाय/प्राधिकरण की विकास करने की जो भूमि निकास कार्य के उपयुक्त नहीं होगी तो वह शर्त भी मान्य होगी।
- दरवाजे व छिड़कियाँ इस तरह से लगाये जायेंगे कि सार्वजनिक सड़क की ओर न खुले।
- सड़क सर्विस लेन अथवा सरकारी भूमि पर कोई निर्माण सामग्री (बिल्डिंग ऐटरियल) नहीं रखी जायेगी तथा गंदे पानी की निकासी का पूर्ण प्रबन्ध स्वयं करना होगा।
- स्वीकृत मानचित्रों का एक सेंट स्थाल पर रखना होगा ताकि मौके पर कभी भी जौँच की जा सके तथा निर्माण कार्य स्वीकृत गानवित्रों स्पशीफिकेशन नियमों के अनुसार ही कराया जायेगा तथा भवन के स्वामित्व की भी जिम्मेदारी उन्हीं की होगी।
- यह मानचित्र डा.प्र. नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा-15 के अन्तर्गत किसी अन्य शर्त के साथ स्वीकार किये जाते हैं तो वह शर्त भी मान्य होगी।
- सड़क पर अथवा लेन में निर्धारित से अधिक कोई रेम नहीं बनाये जायेंगे। यह कार्य अपनी ही भूमि पर करें।
- सुपरविजन एवं स्पेशलिफिकेशन की नियम/शर्तों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।
- पक्ष हारा प्रारुद्ध शपथ पत्रों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।
- पर्यावरण की दृष्टि से डा.प्र. सज्ज व नीति अधिनियम के अन्तर्गत कम से कम प्रत्येक हेक्टेयर 50 पेड लगाना अनिवार्य होगो।
- स्वीकृत मानचित्र इसके साथ संलग्न है भवन कार्य समाप्त होने के एक माह के अन्दर निर्धारित प्रारूप में सम्पूर्ण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र देना होगा। भवन में उपयोग से पूर्व सम्पूर्ण प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा एवं सम्पूर्ण प्रमाण-पत्र से पूर्व रेन वाटर हार्डेस्टिंग एवं समर्त विकास कार्य पूर्ण कराने होंगे तथा बिना आज्ञा व प्रमाण-पत्र लिये भवन को प्रयोग में न लायें।
- 300 वर्गमी. या उससे अधिक क्षेत्रफल के नवीनीकृत होने वाले समर्त प्रवृत्ति के भवनों में रुफ टॅप रेन वाटर हार्डेस्टिंग की व्यवस्था करना अनिवार्य है।
- 12.00 मी. से अधिक ऊँचे समर्त प्रवृत्ति के भवन तथा समर्त अवस्थापना सुविधाओं से सम्बन्धित भवनों में नियमानुसार भूकम्परोधी व्यवस्था सुनिश्चित करना होगा।
- संरक्षना सुरक्षा का उत्तरदायित्व स्वयं आपका होगा तथा आप हारा संरक्षना सुरक्षा एवं भूकम्परोधी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।
- निर्माणित 24.00 मी. सड़क में विस्तार हेतु स्थल पर रेड के भाग को छोड़ते हुए निर्माण/विकास कार्य किया जायेगा। बाउण्डी बाल का निर्माण रेड वाइडेनिंग की भूमि के बाद किया जायेगा।
- मू-स्वामित्व की समर्त जिम्मेदारी आपकी होगी। किसी वाद/निवाद की स्थिति में मानचित्र स्वतः निरस्त माना जायेगा तथा तहसील एवं नगर निगम की संयुक्त टीम हारा भूमि चिह्नित कराकर ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- उत्त क्षेत्र में 75 प्रतिशत बहु विकास युल्क जमा होने के उपरान्त ही प्राधिकरण हारा विकास कार्य करायें जायेंगे।
- नाली, चकरोड़, ग्राम सामाज व निगम/सरकारी भूमि पर कोई निर्माण कार्य/विकास कार्य नहीं किया जाना आवश्यक है।
- मू-गर्भ जल का उपयोग किये जाने से पूर्व सम्बन्धित निर्माण की अनपत्ति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- आधिकार एवं उसमें कारब्रत शमिकों का अम विभाग में नियमानुसार पंजीयन कराया जाना आवश्यक है।
- निर्माणधन अवधि में निर्माण स्थल पर धूल से बचने हेतु समुचित करव का प्राविधान किया जाये, निर्माण सामग्री के परिवालन एवं उनके उपयोग की अवधि में निर्माण सामग्रीयों पर पानी का छिरकाव किया जाये जाये कि निर्माण सामग्री के उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाये। इसके साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाये कि निर्माण सामग्रीयों को ले जाने हेतु दूके हुए वाहनों का प्रयोग किया जाये।
- नियमानुसार RERA में रजिस्ट्रेशन करना होगा।
- अनिवार्य रूप से कारब्रत के साथ संलग्न है एवं मानचित्र के पृष्ठ भाग पर चर्पा है, जिनका अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करना होगा।

संलग्नक : 1. एक सेट स्वीकृत मानचित्र।

पत्रांक : /मा.प्लान/

प्रतिलिपि :

प्रतिलिपि : प्रवर्तन खण्ड जैरिन-1 को स्वीकृत मानचित्र सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

मुख्य वासुदेव एवं नगर नियोजक
गांविमा, गाजियाबाद
23/10/2019

मुख्य वासुदेव एवं नगर नियोजक

अनिवार्य शर्तें :-

1. **फायर विभाग द्वारा जारी एन.ओ.सी. का पालन करना होगा एवं फायर विभाग द्वारा पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त ही किया जायेगा।**
2. **पर ही पूर्णता प्रमाण पत्र निर्गत किया जायेगा। भवन का उपयोग पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरान्त ही किया जायेगा।**
3. **आवेदक द्वारा प्रस्तुत समस्त शापथ-पत्रों में उल्लिखित समस्त शर्तों का अनुपालन अनिवार्य रूप से करना होगा।**
4. **भवन की स्ट्रक्चरल सेपटी एवं भूकम्परोधी होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र एवं स्ट्रक्चरल डिजाइन व झोइग आई.आई.टी. रडकी/टिल्ली से बैट कराकर प्रस्तुत करना होगा एवं तदनुसार ही स्थल पर भूकम्परोधी निर्माण स्ट्रक्चरल इंजीनियर की दखलेव में कराना होगा। भूकम्परोधी व्यवस्था के सम्बन्ध में शासन के निर्गत आदेशों संख्या 570/9-आ-1-2001-भूकम्परोधी/2001 (आ.ब.)दिनांक 03.02.01, 772/9-आ-1-2001-भूकम्परोधी/2001 (आ.ब.) दिनांक 13.02.01 तथा शासनादेश संख्या 375/1/9-आ-1-1-भूकम्परोधी/2001(आ.ब.) दिनांक 20.07.01 में अकित प्राविधानों एवं प्रतिबन्धों का पालन करना होगा। उक्त के अतिरिक्त निज पूरक प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा :-**
5. **(क) भवन निर्माण के पर्यवेक्षण हेतु एक स्नातक शिविल अभियन्ता जिन्हें भवन निर्माण के कार्यों के पर्यवेक्षण में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव प्राप्त हो, अनुबन्धित किया जायेगा। पर्यवेक्षण में वह विशेष रूप से यह सुनिश्चित करेगा कि भवन निर्माण हेतु स्ट्रक्चरल इंजीनियर द्वारा संरचनात्मक मुख्या एवं भूकम्परोधी समस्त व्यवस्थायें करने के लिए जो डिजाइन अनुमोदित की गयी है उसके अनुरूप ही भवन निर्माण किया जा सकता है।**
6. **(ख) भवन निर्माण में जो मुख्य सामग्रियों सीमेन्ट, स्टील/स्टोन प्रिट, ईंट, कोर्ट सीड एवं मार्टर तथा कंकरीट निकास इन्यादि जो उपयोग में लायी जायेगी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु कार्यस्थल पर ही उनके परीक्षण करने की मुविधा उपलब्ध रहनी आवश्यक होगी। इसके साथ ही निर्माण सामग्रियों की नियमित सैम्पलिंग करके उनकी गुणवत्ता का भौतिक व सायाचिक परीक्षण अधिकृत प्रयोगशाला/संस्थाओं से कराकर उनके परीक्षण परिणाम कार्यस्थल पर ही उपलब्ध रहे ताकि जब भी कोई विशेषज्ञ थल पर कार्यों का निरीक्षण करने के लिए जाये तो इन परीक्षण परिणामों को भी देख सके।**
7. **(ग) यदि स्वीकृति की किसी भी शर्त का पालन नहीं किया जाता अथवा निरीक्षणकर्ता तकनीकी विशेषज्ञ की विधें सहीप्राप्तनक नहीं होगी तो आगे का निर्माण कार्य रुकावते हुए निर्माण कार्य को अनाधिकृत मानते हुए सील भी किया जा सकेगा। ऐसे में न केवल पूर्णता: प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जायेगा वरन् निर्माणकर्ता व उसके सहायक किमिल शिथिलता की परिषिक्षण में लाने जायेगे व तदनुसार कानूनी कार्यवाही भी की जा सकेगी।**
8. **(घ) कार्यस्थल पर प्रमुख स्थान पर 4 फुट \times 3 फुट आकार का एक बोर्ड लगाना होगा जिस पर भवन निर्माणकर्ता एवं स्थानियों का नाम, आर्किटेक्ट, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, सर्विस डिजाइन इंजीनियर एवं सुपरविजन इंजीनियर का नाम इस प्रकार उल्लिखित होगा कि भवन से लगे मुख्य मार्ग से ही उस स्पष्ट पढ़ा जा सके। निर्माण कार्य से सम्बन्धित कार्य स्थल पर निज अपिलेख भी उपलब्ध रहेंगे:-**
9. **1. नियत प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत मानचित्र की हस्ताक्षर एवं मुहरखुक्त प्रति**
2. अनुमोदित प्रयोगशाला/संस्थान द्वारा दी गयी मृदा परीक्षण की पूर्ण रिपोर्ट एवं प्रस्तावित नींव के प्राविधान सामग्री संस्कृतियाँ
10. **3. आधिकृत स्ट्रक्चरल इंजीनियर द्वारा हस्ताक्षर एवं मुहर युक्त नींव, सुपर स्ट्रक्चर की गणनायें एवं भवन को भूकम्परोधी बनाने हेतु संरचनात्मक मुख्या से सम्बन्धित समस्त मानचित्र एवं स्ट्रक्चरल डिटेल अधिकृत आर्किटेक्ट द्वारा हस्ताक्षर एवं मुहर युक्त सामरत योर्किंग ड्राइंग जिनमें सैक्षण एवं एलीवेशन तथा सर्विसेज डिटेल इन्यादि शामिल रहेंगे**
11. **4. भवन निर्माण हेतु आवश्यक सामस्त टी. एन्ड पी. का विवरण**
12. **5. साईट इंजीनियर इन्सपेक्शन रिपोर्ट रजिस्टर**
13. **6. सामग्री परीक्षण रिपोर्ट एवं सम्बन्धित रजिस्टर**
14. **7. सामग्री इंजीनियर द्वारा हस्ताक्षर व्यवस्था का प्राविधान भवन की फिनिशिंग का कार्य से पहले पूर्ण करना होगा।**
15. **8. रेन वाटर हार्डिंग व्यवस्था का प्राविधान भवन की प्राविधान बी.आई.एस. कोड के अनुसार एवं शासन द्वारा जारी शासनादेश के अनुरूप करना होगा।**
16. **9. रेन वाटर हार्डिंग से प्रमाणित भूमि में किसी भी प्रकार का निर्माण अनुमत्य न होगा तथा बाउन्ड्रीवाल रोड वाइडनिंग के उपरान्त बनानी होगी। इस हेतु अपडरटमेंट के मद्द में 75 प्रतिशत धनराशि प्राप्त की दशा में ही इस क्षेत्र में बाह्य विकास कराने सम्भव होगा तथा आन्तरिक विकास कार्य पक्ष की स्वयं कराने होंगे।**
17. **10. 15 प्रतिशत पार्क जन सामान्य हेतु खुला रखना होगा।**

- विकासकर्ता को सर्विस लान प्रस्तुत करना होगा जिसमें इच्छाप्रदर्शन सुविधाएं जैसे-सड़क, सीवर, सीवर डिस्पोजल, ब्रेन, ब्रेन डिस्पोजल, पीने के पानी की व्यवस्था एवं सोलिड वेस्ट डिस्पोजल की व्यवस्था दर्शानी होगी।
- आन्तरिक विकास कार्य पक्ष को स्वयं करने होंगे, तथा सीवर डिस्पोजल की व्यवस्था हेतु ट्रीटमेंट लान स्वयं निर्मित करना होगा।
- भू-गर्भ जल उपयोग किये जाने पर सम्बन्धित विभाग से अनापत्ति स्वयं प्राप्त करना होगा, सम्बन्धित विभाग से विवाद या आपत्ति होने की स्थिति में पक्ष स्वयं जिम्मेदार होगा तथा दी गयी स्वीकृत स्वतः निरस्त मानी जायेगी।
- कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।
- सिसाइकलिंग ऑफ वाटर का नियमानुसार प्राविधान करना होगा।
- विद्युत व्यवस्था हेतु जप्त पावर कारपोरेशन से स्वयं करनेवशन प्राप्त करना होगा।
- नियमानुसार दरिशत पार्किंग स्थल पर ही पार्किंग करनी होगी, सड़क पर पार्किंग अनुमन्य नहीं होगी।
- प्रतिशत visitors parking के रूप में आरक्षित करना होगा।
- अन्दर के खुले स्थल / पार्क का उपयोग उसी रूप में करना होगा, अन्य उपयोग की दशा में दी गयी स्वीकृति स्वतः निरस्त समझी जायेगी।
- मानवित्र स्वीकृति, भू-स्वामित्व को प्रभावित नहीं करेगी। भू-स्वामित्व सम्बन्धी वाद विवाद होने तथा सरकारी भूमि पर्ये जाने की स्थिति में पक्ष स्वयं जिम्मेदार होगा तथा दी गयी स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी।
- भविष्य में कोई बढ़ा हुआ विकास शुल्क या अन्य किसी शुल्क की मौग की जाती है तो उसे पक्ष को जमा करना होगा।
- विभिन्न मदों में प्राधिकरण में जमा की जाने वाली धनराशि को जमा किये जाने का उत्तरदायित्व आवेदक का होगा, अन्यथा प्राधिकरण द्वारा नियमानुसार की जाने वाली कार्यवाही को मानना होगा।
- खसरा सं.-१५ व १९९ के मध्य रास्ता जनता के आवागमन के लिए सदैव अवरोध मुक्त रखना होगा।
- नियमानुसार इलेक्ट्रिक बसबार, पोर्ट बाक्स आदि का प्राविधान करना होगा।
- सुविधाजनक डुकानों का निर्माण आवश्यक रूप से करना होगा।
- अपार्टमेंट एवं २०१० के अंतर्गत सामुदायिक सुविधाओं के स्थान परिवर्तन के सम्बन्ध में आवंटियों व आर.डब्लू. ड्राई भविष्य में यदि कोई आपत्ति की जाती है तो समस्त जिम्मेदारी विकासकर्ता की होगी, प्राधिकरण जिम्मेदार न होगा तथा दी गयी स्वीकृति स्वतः निरस्त समझी जायेगी।
- निर्माण के समय यदि कोई दुर्घटना, जन-माल की हानि होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी विकासकर्ता की होगी।
- लेबर सेस निर्माण लागत का, १ प्रतिशत जमा करना होगा, विकासकर्ता द्वारा लेबर सेस के मद में यदि कोई धनराशि जमा इन्कम टैक्स कमीशनर द्वारा पर्जीकृत आकलनकर्ता द्वारा किये जाने पर, यदि शुल्क परिवर्तित होता है, तो परिवर्तित गणनानुसार शुल्क सम्बन्धित विभाग में जमा करना होगा।
- मा० सर्वीय डरित अधिकरण, नई दिल्ली में ओ.ए संख्या २१/२०१४/ में अलग अलग तिथियों में पारित आदेशों के अनुपालन के क्रम में मुख्य साचिव, पर्यावरण विभाग, डॉप्र० शासन के पत्रांक संख्या ३५९५/नौ-५-२०६-२७रिट/२०१४ दिनांक ०८.११.२०१६ से जारी निर्देशों के अनुपालनार्थ निर्माण प्रक्रिया से जनित वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु निम्न शर्तों का अनुपालन करना होगा –

 - Every builder/owner shall put tarpaulin on scaffolding around the area of construction and the building. No person including builder, owner can be permitted to store any construction material particularly sand on any part of the street, roads in any colony, air in any form.
 - All the construction material of any kind that is stored in the site will be fully covered in all respects so that it does not disperse in the air in any form.
 - All the construction material and debris shall be carried in the trucks or other vehicles which are fully covered and protected so as to ensure that the construction debris or the construction material does not get dispersed into the air or atmosphere, in any form whatsoever.
 - The dust emissions from the construction site should be completely controlled and all precautions taken in that behalf.
 - The vehicles carrying construction material and construction debris of any kind should be cleared before it is permitted to ply on the road after unloading of such material.
 - Every worker working on the construction site and involved in loading, unloading and carriage of construction material and construction debris shall be provided with mask to prevent inhalation of dust particles.
 - Every owner and/or builder shall be under obligation to provide all medical help, investigation and treatment to the workers involved in the construction of building and carry of construction material and debris relateable to dust emission.
 - It shall be the responsibility of every builder to transport construction material and debris waste to construction site, dumping site or any other place in accordance with rules and in terms of this order.
 - All builders/owners should take appropriate measures and strictly comply with by fixing sprinklers and creations of green air barriers on construction site. Compulsory use of wet-jet in grinding and stone cutting.
 - All builders shall ensure that C&D waste is transported and disposed to the C&D waste site only and due record in that behalf shall be maintained by the builders and transporters.
 - Use of covering sheets should be done for trucks to prevent dust dispersion from the trucks, implemented by district offices.

h
25

Q

13. Proponent shall ensure that periodical auto maintenance report from the contractor to avoid vehicular pollution.
14. Proponent should manage transportation route for vehicles in a well-planned manner to avoid traffic havocs.
15. The entry and exit points design is very important as it should not disturb the existing traffic.
16. Inspection & Maintenance has definite utility on emission performance. Regular vehicle inspection to be done by the contractor to enhance the efficiency of work and to reduce the risk of unwarranted air pollution.
17. Fitness certification is a statutory requirement for commercial vehicles and public transport vehicles. Periodicity for certification is once in a Year.
18. Pollution Under Control (PUC) certificates are required to be obtained every three months for all categories of vehicles. In case of diesel vehicles, free acceleration smoke is measured.
19. Life of vehicle should be inspected to avoid further air pollution.
20. Overloading is another big challenge and the shall be dealt by the proponent as well as State Authorities by installing check booth at entry points.
21. Viable emission control technologies exist to reduce diesel exhaust emissions designed to control particulate matter (PM) should be installed/used such as Diesel oxidation catalysts (DOCs), Diesel particulate filters (DPFs), Exhaust gas recirculation (EGR), Selective catalytic reduction (SCR), Lean NOx catalysts (LNCs), Lean NOx traps (LNTs).
22. Green belt creation will also act as a mitigating factor.

उक्त शहर के उल्लंघन की दशा में एनजीटी द्वारा पारित आदेश दिनांक 20.07.16 में उल्लेखित धनराशि पेनल्टी के रूप में वसूल की जायेगी।

30. नियमानुसार लक्फर्टेप सोलर फोटोवोल्टाइक पॉवर प्लॉट की स्थापना भवन के कुर्सी क्षेत्रफल के न्यूनतम 25 प्रतिशत कफ्टरॉप एरिया पर अनिवार्य रूप से करनी होगी।
31. स्थल पर निर्माण के समय लेबर हेतु जन सुविधाओं का प्राविधान करना होगा।
32. नियमानुसार ऐसा में रजिस्ट्रेशन करना होगा।


अलोक अग्रवाल


सहायक नगर नियोजक


नगर नियोजक